महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि तकनीकीअनुप्रयोगअनुसंधान संस्थान कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

समाचार – पत्रिका

अंक-10 | **अक्टूबर, 2021**

प्रो. उदय प्रताप सिंह
उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति
गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान
गोरखनाथ, गोरखपुर

संदेश

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकियों को निरंतर कृषकों तक पहुँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र
एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा अक्टूबर, 2021 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

फसल/उद्यम का शीर्षक	प्रशिक्षण की सं.	लाभार्थी संख्या
क) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण	10	202
ख) कृषि प्रसारकर्मियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	03	130

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे०/ सं०	लाभार्थी संख्या
क) SC SP परियोजना के अंतर्गत सब्जी बीज का प्रदर्शन (किचन गार्डन)	10	1000

3. प्रक्षेत्र परीक्षण

शीर्षक	लाभार्थी संख्या
क) धान फसल में संतुलित उर्वरक एवं जैव उर्वरको का प्रयोग	05
ख) मिर्च फसल में ग्रोथ हारमोंस का प्रभाव	05

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
क) वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	16	28
ख) कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	11	11
ग) मोबाइल संदेश	32	सामूहिक
घ) समाचार पत्र में प्रकाशन	21	सामूहिक

5. कृषक चयन

गतिविधियाँ	शीर्षक	प्रदर्शन की सं	लाभार्थी
क) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	गेहूं, सरसों, पलक, गाजर एवं मटर के प्रदर्शन हेतु कृषको का चयन	5	58

प्रक्षेत्र भ्रमण

❖ डॉ. विवेक प्रताप सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ द्वारा चेतरिया, लालपुर (भरोहिया), बैजनाथपुर, शिवपुर (कैम्पियरगंज), मुस्तफाबाद (पाली) में कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया गया एवं मछली पालन एवं पशुपालन पर कार्य कर रहे कृषको को मछली पालन एवं पशुपालन में आ रही समस्या का समाधान किया गया

❖ डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ एवं डॉ विवेक प्रताप सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ द्वारा शिवपुर (कैम्पियरगंज), तिघरा, धर्मपुर एवं रखुखोर (भरोहिया) में धान के पुसा सुगंध 5 एवं भिन्डी पर चल रहे प्रदर्शन का भ्रमण किया गया एवं धान में लग रहे प्ररोह बेधक कीट के नियंत्रण की जानकारी कृषको को दिया गया

❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-11/10/2021 को कृषि विद्यालय, चरगांवा, गोरखपुर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 45 किसान उपस्थित रहे। इस अवसर पर किसानो को मृदा स्वास्थ्य कार्ड स्कीम, जैविक खेती एवं किसान उत्पादक संगठन सम्बन्धित आवश्यक जानकारी दी गयी।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ श्रीमती श्वेता सिंह, गृह विज्ञान विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 01/10/21 को "बच्चो में पोषण कि आवश्यकता एवं प्रतिरक्षकरण" विषय पर 50 आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण दिया गया।

❖ डॉ राहुल कुमार सिंह, कृषि प्रसार विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 04/10/2021 को केंद्र पर कृषि आय बढ़ाने हेतु सुगम बाजार के माध्यम विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया इस अवसर पर ICAR-NIPB New Delhi के प्रधान वैज्ञानिक डॉ संजय सिंह एवं डॉ अवनी कुमार उपस्थित रहे, जिसमे कुल 21 कृषको ने प्रतिभाग किया।

❖ श्रीमती श्वेता सिंह, गृह विज्ञान विशेषज्ञ द्वारा दिनांक05/10/21 को "गर्भवती एवम धात्री महिलाओ में पोषण कि आवश्यकता " विषय पर 50 आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण दिया गया।	
❖ डॉ विवेक प्रताप सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 05/10/2021 को डोहरिया (जंगल कौड़िया), में पशुओ में बाझपन प्रबंधन विषय पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमे कुल 21 कृषको ने प्रतिभाग किया।	
❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-06/10/2021 को "गेहूं में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन" विषय पर वाह्य परिसर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे 29 कृषक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानो को पोधे में पोषक तत्वों की उपयोगिता, उनके प्रयोग का सही समय तथा समेकित रूप से खाद व उर्वरको के प्रयोग के बारे में बताया।	
❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-12/10/2021 को " अधिक उत्पादन तथा आय हेतु गेहूं में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन" विषय पर केंद्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमे 24 कृषक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानो को उर्वरकों व खाद की महत्ता, उनके प्रयोग का सही समय तथा समेकित रूप से खाद व उर्वरको के उपयोग के तरीको के बारे में बताया।	
❖ श्रीमती श्वेता सिंह, गृह विज्ञान विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 16/10/21 को "देसी गाय के गोबर से दिया व् सजावट सामग्री बनाना" विषय का प्रशिक्षण 20 महिला प्रशिक्षार्थियो को दिया गया।	
❖ श्री अवनीश कुमार सिंह, सस्य विज्ञान विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 23/10/2021 को केंद्र पर समेकित कृषि प्रणाली विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमे कुल 23 कृषको ने प्रतिभाग किया।	

❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-25/10/2021 को "रबी फसलों में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन" विषय पर कृषि प्रसारकमिर्यों हेतु केंद्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमे 30 कृषि प्रसारकर्मी उपस्थित रहे । प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि प्रसारकमिर्यों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, उर्वरकों व खाद की महत्ता, उनके प्रयोग का सही समय तथा समेकित रूप से खाद व उर्वरको की संस्तुत मात्रा के बारे में बताया।	
❖ डॉ राहुल कुमार सिंह, कृषि प्रसार विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 29/10/2021 को मीरपुर (जंगल कौड़िया), में किसानो को संगठित कर आय सृजन विषय पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमे कुल 23 कृषको ने प्रतिभाग किया।	

कृषक उत्पादक कंपनी/ संगठन

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा पंजीकृत समस्त कृषक उत्पादक संगठनों की संयुक्त बैठक का आयोजन दिनांक 08/10 /21 को कराया गया।	

नवम्बर माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन एवं प्रबंधन

❖ तोरिया – बोआई के 20 दिन के अन्दर निराई-गुड़ाई कर दें साथ ही सघन पौधों को निकालकर पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी कर दें।

❖ सरसों में सफेद रतुआ के बचाव हेतु मेटालैक्सिल (एप्रॉन 35 एस॰ डी॰) 6 ग्राम प्रति किग्रा॰ बीज दर से या बैविस्टीन 2 ग्राम / किग्रा॰ बीज दर से उपचारित करें

❖ गेहू की सिंचित अवस्था वाली किस्मों के लिए 120 किलो नत्रजन, 60 किलो सुपर फास्फेट तथा 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें । नत्रजन की आधी तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बोआई के समय प्रयोग करें । नत्रजन की शेष आधी मात्रा दो बार में,पहली सिचाई पर एवं दूसरी पुष्पावस्था में डालें।

❖ गेहूं की असिंचित अवस्था में गेहूँ की खेती के लिए 80 किलो नत्रजन, 40 किलो सुपर फास्फेट तथा 20 किलो पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें । बुआई के समय, 40 किलो नत्रजन तथा फास्फेट एवं पोटाश की पूरी मात्रा डालें नत्रजन की शेष मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई पर दें।

- चने में खरपतवारो द्वारा फसल में होने वाले नुकसान से बचने के लिए बुवाई से 25-30 दिनों बाद पहली निकाई-गुड़ाई तथा 60-70 दिन बाद दूसरी निकाई-गुड़ाई करनी चाहिए।

मृदा विज्ञान

- गेहूं की फसल में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश की मात्रा 120: 60: 40 के अनुपात में (यूरिया 210 किग्रा./हे., डाई अमोनियम फॉस्फेट 130 किग्रा./हे., एम. ओ. पी. 67 किग्रा./हे.) देना चाहिए।
- गोभी वर्गीय आलू, पत्तेदार तथा जड़युक्त सभी फसलों में सिचाई दे कर डी.ए.पी., यूरिया तथा पोटाश का प्रयोग करके गुड़ाई करें तथा मिटटी चड़ायें।
- नीम्बू के कमजोर पोधो में 50 ग्राम यूरिया सिचाई के तुरन्त बाद प्रथम सप्ताह में देंगे।
- भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परिक्षण करवा लें तथा भूमि में उर्वरको का प्रयोग मृदा परिक्षण के आधार पर करें।

मौनपालन

- अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु मौनवंशों का समय से माईग्रेशन करें।
- मौनगृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें।
- माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौनगृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें।
- अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगाकर नए छत्तों का निर्माण कराकर कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो।
- गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वाले सशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए।

पशुपालन

- दुधारू पशुओं में थैनेला रोग से बचाव के उपाय करें एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- जिन पशुओ को मुँहपका तथा खुरपका का टीका नही लगा है उन्हें टीका अवश्य लगवायें।
- पशुओं को अन्त:परजीवी नाशक दवाई पशु – चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित दें।
- पशुओं को संतुलित आहार दें।
- हरे चारे के लिये बरसीम तथा जई की बुवाई का कार्य शीघ्र पूरा कर ले ।
- पशुओ के आहार में खनिज मिश्रण एवं नमक का प्रयोग करें।

सब्जियों की खेती

- आलू की बुआई यदि अक्टूबर में न हो पायी हो तो अब जल्दी पूरी कर ले |आलू कि मुख्य प्रजातियाँ है - कुफरी बहार, कुफरी बादशाह, कुफरी अशोका, कुफरी सतलज, कुफरी आनन्द तथा लाल छिलके वाली कुफरी सिन्दूरी और कुफरी लालिमा ।
- टमाटर की बसन्त/ग्रीष्म ऋतु की फसल के लिए पौधशाला मे बीज की बुआई कर दे।
- प्याज की रबी फसल के लिए पौधशाला मे बीज की बुआई करे।

फलों की खेती

- ❖ आम एवं अन्य फलों के बाग मे जुताई करके खरपतवार नष्ट कर दे।
- ❖ आम मे मिलिबग कीट के नियंत्रण हेतू तने और थाले के आसपास मैलाथियान 5 प्रतिशत एवं फेनेवैलरेट 0.4 प्रतिशत घूल 250 ग्राम प्रति पेड के हिसब से तने के चारो तरफ बुरकाव तथा तने के चारो और एल्काथीन की पट्टी लगाये।
- ❖ केले में पणृ धब्बा एवं सङन रोग के लिए 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति लीटर की दर से छिडकाव करे।

पुष्प व सगंध पौध

- ❖ देसी गुलाब की कलम काटकर अगले वर्ष के स्टाक हेतु क्यारियो मे लगा दे।
- ❖ ग्लेडियोलस मे स्थानीय मौसम के अनुसार सप्ताह मे एक या दो बार सिंचाई करे।

सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री आशीष कुमार सिंह	प्रक्षेत्र प्रबंधक	अनुवाशिकी एवं पादप प्रजनन	**07752941868**
श्री जितेन्द्र कुमार सिहं	कार्यक्रम सहायक (प्रयोगशाला तकनीकी)	पौध संरक्षण	**08887725608**
श्री शुभम पाण्डेय	सहायक	-	**08317019891**

सह-सम्पादक मंडल			
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 राहुल कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	कृषि प्रसार	**07007275688**
डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**

संकलन एवं सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री गौरव कुमार सिंह	कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)	कम्प्यूटर	**07651922058**

सम्पादक
डा0 संदीप कुमार सिंह
(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)
महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर(उ०प्र०)
Mob no. 09453721026; Email – gorakhpurkvk2@gmail.com
website -http://www.mgkvk.in/